मुख्यमंत्री वैश्विक नगरोदय योजना
(CM- VNY)

परियोजना जानकारी पुस्तिका

नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश सरकार

Project Funding Category

PPP — Private Public Partnership

UDD — Urban Development Department

CSR — Corporate Social Responsibility

PPP UDD

परिचय

उत्तर प्रदेश सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक 1.0 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था हासिल करना है। राज्य के आर्थिक विकास को सुदृढ़ करने के लिए, शहरी क्षेत्रों में बुनियादी सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, जिससे शहर के निवासियों को विश्व स्तरीय सुविधाएँ प्रदान की जा सकें। शहरिये निवासियों के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए यह योजना बुनियादी ढाँचे पर ध्यान केंद्रित करते हुए उच्च श्रेणी की सुविधाएँ देने के लिए प्रतिबद्ध है। यह योजना ऐसे परियोजनाओं को प्रस्तावित करती हैं जो समाज के कमज़ोर वर्गों जैसे दिव्यांगजनों , बुज़ुर्गों, महिलाओं, बच्चों एवं समाज के कल्याण के लिये लाभकारी सिद्ध होगी। शहरी बुनियादी ढांचे के विकास से न केवल शहरी स्थानीय निकायों के लिए राजस्व के स्रोत बढ़ेंगे बल्कि बड़े पैमाने पर समस्त नगरीय जीवन की गुणवत्ता में भी वृद्धि होगी।

पात्रता को पूर्ण करने पर राज्य के सभी शहरी स्थानीय निकाय इस योजना के लिए पात्र होंगे। योजना के उद्देश्य के लिए नगर निकाय के प्रकार, जनसंख्या और क्षेत्र के आधार पर, यूएलबी को मोटे तौर पर निम्नलिखित तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

श्रेणी 1:
17 नगर निगम,

श्रेणी 2:
नगर पालिका परिषद (जनसंख्या 1,00,000 से अधिक)
+ जिला मुख्यालय

श्रेणी 3:
नगर पालिका परिषद / नगर पंचायत
(जनसंख्या 1,00,000 से कम)

कार्यालय भवन

Office Building

नगरीय निकायों को प्रशासनिक, प्रबंधकीय और व्यावसायिक गतिविधियों के संचालन के लिए कार्यालय भवन की आवश्यकता होती है। नगरीय निकाय कार्यालय भवन इस योजना के अंतर्गत जिन नगरीय निकायों में आधिकारिक भवन नहीं हैं, अपर्याप्त हैं अथवा जर्जर अवस्था में हैं, को कार्यालय भवन निर्माण के लिए आवश्यकता के अनुसार इस योजना के मद से वित्तीय आवंटन किया जा सकेगा। आधुनिक कार्यालय भवन शहर की पहचान प्रदान करने के साथ साथ शहर वासियों को आवश्यक सेवाएं प्रदान करने में भी लाभकारी होगा।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

नगर निकाय के प्रकार के अनुसार

1800 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- कैंटीन से किराया

2- विज्ञापन शुल्क

सह-कार्यशील स्थान

Co- Working Spaces

सह-कार्यस्थल साझा कार्य करने हेतु उपयुक्त स्थान /परिवेश हैं, जहां विभिन्न संगठनों, व्यवसायों एवं उद्योगों के व्यक्ति स्वतंत्र रूप से या सहयोगात्मक रूप से काम करते हैं। ये स्थान पारंपरिक कार्यालय व्यवस्था से अलग एक नव्य विकल्प प्रदान करता है, जो विविध पेशेवरों की आवश्यकताओं को समायोजित करने के लिए विभिन्न सुविधाएं और सेवाएं प्रदान करता है।

इस परियोजना को इस योजना का हिस्सा इसलिए बनाया गया है ताकि सदस्यों के बीच संसाधनों और बुनियादी ढांचे की लागत को साझा करके, सह-कार्यशील स्थान पर कम दर पर सुविधाएं उपलब्ध करायी जा सके जो उपयोगकर्ता को संसाधन और प्राथमिकताओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान कर सकेगा।

कार्य स्थानों के प्रकार:

- निजी कार्यालय स्थान
- साझा डेस्क स्थान
- सह-कार्यशील स्थान खोलें
- कॉर्पोरेट सह-कार्यस्थल
- इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर
- उद्योग-विशिष्ट सह-कार्यस्थल

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

निर्मित क्षेत्र

750 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- वर्कस्टेशन और निजी केबिन से किराया
2- सम्मेलन हॉल और बैठक कक्ष से किराया
3- कैफेटेरिया से किराया
4- स्टेशनरी, प्रिंटिंग और अन्य संबद्ध सेवाएं से शुल्क
5- विज्ञापन शुल्क

Reference Image sourced from Internet

शहरी अनुभव केंद्र

Urban Experience Centre (Museum/Exhibition)

शहरी अनुभव केंद्र में मुख्य रूप से प्रदर्शनी स्थल, संग्रहालय के साथ साथ अन्य सुविधाएं शामिल हो सकती है। शहरी स्थानीय निकायों की सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शहरी अनुभव केंद्र शहरी स्थानीय निकायों के महत्वपूर्ण घटक हैं, जो बहुमुखी लाभ प्रदान करते हैं। यह शहरी क्षेत्रों के सांस्कृतिक, सामाजिक, आर्थिक और सौंदर्य संवर्धन में योगदान तो करते ही हैं, शहरों की जीवंतता और आकर्षण को भी महत्वपूर्ण रूप से बढाते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- हॉल/स्पेस से किराया/प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- सदस्यता शुल्क
4- स्मारिका स्टालों से किराया
5- पार्किंग शुल्क
6- आभासी पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण शिविर

Reference Image sourced from Internet

टाउन हॉल

Town Hall

टाउन हॉल भवन उत्तर प्रदेश के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) के भीतर महत्पूर्ण आधारभूत संरचना का कार्य करेगा। टाउन हॉल भवन केवल एक भौतिक संरचना नहीं है, बल्कि यह सार्वजानिक नागरिक केंद्र के रूप में कार्य करेगा। यह सामुदायिक विकास और नागरिक जुड़ाव में महत्पूर्ण भूमिका निभाएगा।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

निर्मित क्षेत्र

750 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- हॉल से किराया
2- कैफेटेरिया से किराया
3- स्टालों से किराया
4- पार्किंग शुल्क

Reference Image sourced from Internet

UDD

मैरिज हॉल

Marriage Hall

मैरिज हॉल बहुउद्देशीय स्थलों के रूप में कार्य करते हैं जिन्हें विवाह के विभिन्न कार्यक्रमों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है। यह विवाह से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के लिए एक सुविधाजनक और केंद्रीकृत स्थान प्रदान करता है। ये स्थान आकार और सुविधाओं की दृष्टि से भिन्न हो सकते हैं। साधारण कार्यात्मक स्थानों से लेकर अधिक विस्तृत और शानदार व्यवस्था तक, जो उपयोगकर्ता की प्राथमिकताओं और बजट पर निर्भर करता है। इन मैरिज हॉलों को योजना के एक हिस्से के रूप में लिया गया है ताकि समाज के हर वर्ग के लिए पर्याप्त और आवशकता के अनुरूप विकल्प प्रदान किए जा सके। यह नगर निकाय के लिए राजस्व सृजन स्रोत के रूप में भी कार्य करेगा।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

निर्मित क्षेत्र

2000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- शादियों और अन्य समारोहों/कार्यक्रमों से किराया

Kalyan Mandapam, Mau

शिशुगृह
Urban Crèche

शहरी क्रेच छोटे बच्चों की विकासात्मक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्यक्रम और गतिविधियाँ प्रदान करते हैं। कार्यबल में माता-पिता दोनों की बढ़ती भागीदारी के साथ, शहरी क्रेच दिन के दौरान बच्चों के लिए एक सुरक्षित और पोषणपूर्ण वातावरण प्रदान करते हैं। यह सहायता माता-पिता, विशेषकर माताओं को अपने बच्चों की देखभाल समझौता किए बिना रोजगार या शिक्षा प्राप्त करने में सक्षम बनाती है। खेल, सामाजिक संपर्क और शैक्षिक अनुभवों के माध्यम से, क्रेच संज्ञानात्मक, भावनात्मक और शारीरिक विकास को बढ़ावा देते हैं, जो भविष्य में सीखने और सफलता के लिए एक मजबूत नींव रखते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

निर्मित क्षेत्र

200 से 300 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- सदस्यता शुल्क

Reference Image sourced from Internet

वरिष्ठ नागरिक देखभाल केंद्र

Senior Citizen Care Center

वरिष्ठ नागरिक देखभाल केंद्र एक ऐसा स्थान होगा जहां पर वरिष्ठ नागरिक को अपने आयु के लोगों के साथ एक अच्छे माहौल में समय व्यतीत करने का अवसर और स्थान मिल सके जिससे उनकी स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव होगा। एक व्यक्ति जिसकी आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है, वरिष्ठ नागरिक कहलाता है। भारत की जनगणना वर्ष 2011 के आंकड़ों के अनुसार, उत्तर प्रदेश राज्य में 1.54 करोड़ वरिष्ठ नागरिक हैं जो कुल जनसंख्या का 7.73% हैं। इनमें से 0.29 करोड़ वरिष्ठ नागरिक शहरी क्षेत्रों में रहते हैं। अधिकांश वरिष्ठ नागरिक जो किसी भी व्यावसायिक गतिविधियों (जैसे, सेवा या व्यवसाय) में कार्यरत नहीं हैं, उनकी आमतौर पर दैनिक दिनचर्या धीरे-धीरे नीरस हो जाती है और उनके स्वस्थ को शिथिल कर देती है। यह उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है।

इसलिए, वरिष्ठ नागरिकों के लिए सही वातावरण प्रदान करने की आवश्यकता है जो उनकी शारीरिक क्षमताओं और मानसिक क्षमताओं को बढ़ाने के साथ-साथ चिकित्सा की सुविधा भी प्रदान कर सके।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

1000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- अधिभोग शुल्क/बिस्तर शुल्क
2- खाद्य सेवा शुल्क
3- चिकित्सा देखभाल शुल्क

Senior Care Centre - Kanpur

CSR PPP UDD

प्रदर्शन कला केंद्र/ सभागार/ आर्ट गैलरी

Auditorium/Art Gallery/ Center for Performing Arts

प्रदर्शन कला केंद्र एक विशेष परियोजन हेतु समर्पित सुविधा है जिसे थिएटर सभाओं, कला प्रदर्शनी, प्रस्तुतियों, नृत्य प्रदर्शनों, संगीत समारोहों एवं अन्य समरूप कार्यक्रमों सहित विभिन्न प्रकार के लाइव प्रदर्शनों की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाता है। इन केंद्रों में सभाओं के आयोजन के लिए सभागार, कला प्रदर्शन के लिए आर्ट गैलरी, प्रस्तुतियों के लिए थिएटर आदि होते हैं जो की कला को बढ़ावा देते हैं। ये केंद्र सांस्कृतिक केंद्र के रूप में काम करते हैं जो कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। प्रदर्शन कला केंद्र किसी समुदाय के सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। स्थानीय कलाकारों का समर्थन करते हैं और विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों के लिए स्थान प्रदान करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

निर्मित क्षेत्र

1000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- हॉल/स्पेस से किराया
2- कैफेटेरिया से किराया
3- सदस्यता शुल्क
4- स्मारिका स्टालों से किराया
5- पार्किंग शुल्क
6- आभासी पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण शिविर

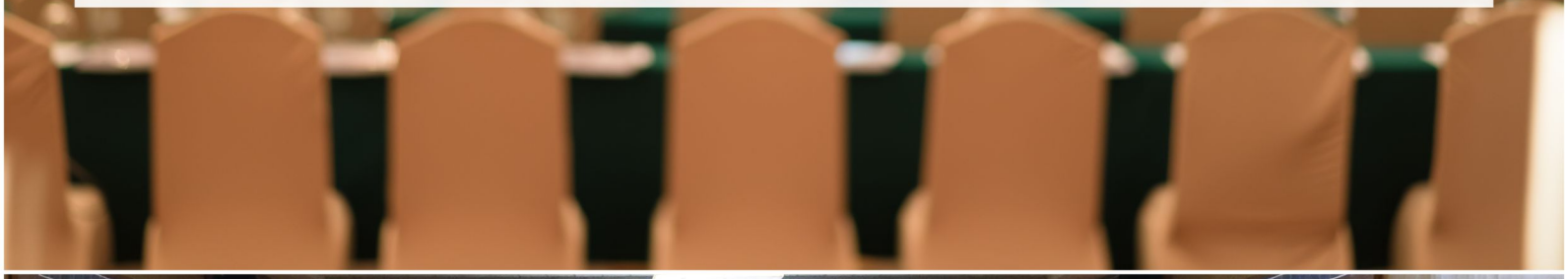

Auditorium, Directorate of Urban Local Bodies, Lucknow

Reference Image sourced from Internet

शहरी कला सजावट/ प्लेस मेकिंग

Place Making/ Urban Art Décor

शहरी कला सजावट/ प्लेस मेकिंग कलात्मक अभिव्यक्ति के एक रूप को संदर्भित करती है जहां कलाकृतियों का उपयोग शहरी वातावरण में सजावटी तत्वों के रूप में किया जाता है। इसमें शहरी स्थानों की सांस्कृतिक चरित्र को बढ़ाने के उद्देश्य से कलात्मक शैलियों, विषयों और सामग्रियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल हो सकती है। शहरी कला सजावट/ प्लेस मेकिंग न केवल शहरी वातावरण की सौंदर्य बोध को बढ़ाती है बल्कि सांस्कृतिक अभिव्यक्ति, सामुदायिक जुड़ाव और संवाद के अवसर भी प्रदान करती है। सार्वजनिक कला प्रतिष्ठान शहरों की समग्र जीवंतता और पहचान में योगदान करते हैं, उन्हें गतिशील और आकर्षक स्थानों में बदलते हैं। इस परियोजना के तहत स्ट्रीट लाइट और स्ट्रीट फर्नीचर जैसे बेंच आदि का भी प्रावधान है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- सौंदर्यीकरण शुल्क

2- कला सजावट के आसपास के क्षेत्रों विज्ञापन शुल्क

Urban Art Decor- Shri Laxman Ji, Lucknow

सेवानिवृत्ति गृह
Retirement Home

सेवानिवृत्ति गृह, जिसे बुजुर्गों के लिए आवासीय देखभाल सुविधा (आरसीएफई) के रूप में भी जाना जाता है। सेवानिवृत्ति गृह एक आवासीय व्यवस्था है जो बुजुर्ग व्यक्तियों के लिए आवास, व्यक्तिगत देखभाल और सहायता के लिये सेवाएं प्रदान करती है। ये सुविधाएं नर्सिंग होम की तुलना में अधिक घर जैसा वातावरण प्रदान करती है। साथ ही स्वतंत्रता और जीवन की गुणवत्ता को बढ़ावा देते हुए वरिष्ठ नागरिकों की विभिन्न आवश्यकताओं को पूरा करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

1000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- आवास इकाई से किराया
2- विज्ञापन शुल्क
3- रखरखाव शुल्क
4- क्लब सदस्यता शुल्क

Reference Image sourced from Internet

CSR PPP UDD

नालियों के साथ सीसी सड़कें

CC Roads with Drain

जल निकासी प्रणालियों के साथ एकीकृत एक सीसी (कंक्रीट सीमेंट) सड़क आधुनिक शहरी बुनियादी ढांचे का उदाहरण है जो कार्यक्षमता, स्थिरता और सौंदर्य अपील को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन की जाती है। सीसी सड़कें अपनी मजबूती और स्थायित्व के लिए प्रसिद्ध हैं, जो भारी यातायात भार और अलग-अलग मौसम की स्थिति को सहन करने में सक्षम हैं।

शहरी क्षेत्रों में सड़कों के किनारे बनी नालियाँ तूफानी जल के बहाव को प्रबंधित करने और शहर के बुनियादी ढांचे की समग्र कार्यक्षमता और सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

*सीएम-वीएनवाई परियोजनाओं के अंतर्गत "नालियों के साथ सीसी सड़कें" श्रेणी का चयन भी यूएलबी द्वारा किया जा सकता है, जिसके लिए धनराशि स्वीकृत करने के लिए निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा:

1. योजना के तहत प्रति यूएलबी स्वीकृत राशि का अधिकतम 10%

या

2. पिछले वित्तीय वर्ष से राजस्व संग्रह में आनुपातिक 10% की वृद्धि। नोट- उपरोक्त में से न्यूनतम राशि स्वीकृत की जाएगी।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

Sultanpur Road, Lucknow

शहरी बहुक्रियाशील स्थान

Urban Multi-Functional Space (Amphitheatre Centre/ Community Centre)

प्रदर्शन कला केंद्र एक विशेष परियोजन हेतु समर्पित सुविधा है जिसे थिएटर सभाओं, कला प्रदर्शनी, प्रस्तुतियों, नृत्य प्रदर्शनों, संगीत समारोहों एवं अन्य समरूप कार्यक्रमों सहित विभिन्न प्रकार के लाइव प्रदर्शनों की मेजबानी के लिए उपयोग में लाया जाता है। इन केंद्रों में सभाओं के आयोजन के लिए सभागार, कला प्रदर्शन के लिए आर्ट गैलरी, प्रस्तुतियों के लिए थिएटर आदि होते हैं जो की विभिन्न कला को बढ़ावा देते हैं। ये केंद्र सांस्कृतिक केंद्र के रूप में काम करते हैं जो कलाकारों के लिए एक मंच प्रदान करते हैं। प्रदर्शन कला केंद्र किसी समुदाय के सांस्कृतिक जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। रचनात्मकता को बढ़ावा देते हैं। स्थानीय कलाकारों का समर्थन करते हैं और विविध कलात्मक अभिव्यक्तियों के लिए स्थान प्रदान करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- सौंदर्यीकरण शुल्क
2- कला सजावट के आसपास के क्षेत्रों विज्ञापन शुल्क

Ram Manohar Lohia Path, Lucknow

CSR UDD

सौर पार्क

Solar Park

सौर पार्क, जिन्हें सौर फार्म या फोटोवोल्टिक पावर स्टेशन के रूप में भी जाना जाता है, बिजली उत्पादन के लिए सौर ऊर्जा का उपयोग करने के लिए बड़े पैमाने पर डिज़ाइन एवं निर्माण किए गए सुविधा हैं। इन पार्कों में आम तौर पर जमीन पर स्थापित संरचनाओं या कभी-कभी छतों पर लगे सौर पैनलों की श्रृंखला शामिल होती है।

नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बदलाव में सौर पार्क महत्वपूर्ण हैं। यह ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से जुड़े अन्य प्रदूषकों का उत्पादन किए बिना सूरज की रोशनी को सीधे बिजली में परिवर्तित करने के लिए फोटोवोल्टिक (पीवी) तकनीक का उपयोग करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1.टिकट
2. प्रदर्शन
3. विज्ञापन शुल्क
4.उद्पादित ऊर्जा विक्रय

Solar Park, Bareilly

CSR PPP UDD

कौशल विकास केंद्र

Skill Development Centre

एक कौशल विकास केंद्र (एसडीसी) एक महत्वपूर्ण संस्थान के रूप में कार्य करता है जिसका उद्देश्य व्यक्तियों को विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करना है।

कौशल विकास केंद्र का प्राथमिक लक्ष्य उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम पेश करके शिक्षा और रोजगार के बीच अंतर को काम करना है। यह प्रतिभागियों को उच्च मांग वाले क्षेत्रों में रोज़गार क्षमता और कैरियर की संभावनाओं को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करता है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1. कोर्स फीस
2. कैंटीन से किराया

Micro-Skill Development, Agra

अर्बन कैफे

Urban Café/Book Café

अर्बन कैफे एक प्रकार का प्रतिष्ठान है जो शहरी वातावरण की विशिष्ट विशेषताओं के साथ कैफे के तत्वों को जोड़ता है। ये कैफे आम तौर पर शहरी या महानगरीय क्षेत्रों में स्थित होते हैं और प्रायः शहरी जीवन की गतिशील और विविध प्रकृति को दर्शाते हैं। शहरी कैफे लोगों को जुड़ने, काम करने, आराम करने और शहर की ऊर्जा का अनुभव करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शहरी परिवेश की अनूठी विशेषताओं के प्रति कैफे की अनुकूलनशीलता सामाजिक स्थलों की लोकप्रियता में योगदान करती है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

2000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- हॉल/स्पेस से किराया

2- विज्ञापन शुल्क

Reference Image sourced from Internet

पेट् पार्क

Pet Park/ Veterinary Clinic

जानवरों के लिये भारतीयों के हृदय में विशेष स्थान रहा है। जानवरों को मनुष्यों के मित्र और साझेदार के रूप में देखा गया है। इसके अतरिक्त जानवरों को कला और मूर्तियों में भी देवताओं के साथी के रूप में दर्शाया गया है। यह लंबे समय से शक्ति का प्रतीक रहे हैं। भारतीयों और पालतू जानवरों के बीच समृद्ध रिश्ते रहे हैं।

पालतू जानवर रखना नागरिकों का कानूनी अधिकार है। कुत्ता, बिल्ली और मछली जैसे पालतू जानवर हमारी जीवनशैली को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेट् पार्क, के निर्माण से पालतू जानवरों के मालिकों के लिए एक सुविधा तैयार होगी जहाँ जानवरों के लिए क्लिनिक और उनकी ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए उनके लिए समर्पित एक पार्क के रूप में काम करेगा।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

1 हेक्टेयर

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- फार्मेसी और पशुचिकित्सा सेवा शुल्क

Reference Image sourced from Internet

शहरी मेला एवं शहर की ब्रांडिंग

Urban Fair & City Branding

शहरी मेला एक समृद्ध ऐतिहासिक विरासत है, जो प्रायः सांस्कृतिक उत्सवों से जुड़ी होती है। यह मेलों में प्रदर्शनी के माध्यम से आये हुए नागरिकों को प्रेरणादायक प्रसंगों का वर्णन करते हैं और प्रत्येक स्थान की विशिष्टता को रेखांकित करते हैं। हाल के वर्षों में शहरी परिवेश में इन मेलों में वृद्धि देखी गई है। भारत में, इन जीवंत समारोहों ने सकरी गलियों से लेकर शांत तालाबों के किनारों तक विभिन्न स्थानों की शोभा बढ़ाई है, जो भारतीय संस्कृति के विविध टेपेस्ट्री में सहजता से बुने हुए हैं।

सिटी ब्रांडिंग एक रणनीतिक और समग्र प्रक्रिया है जिसमें एक शहर के लिए एक विशिष्ट पहचान बनाना और इसे विभिन्न दर्शकों के बीच प्रचारित करना शामिल है। यह जब प्रभावी ढंग से क्रियान्वित किया जाता है, तो यह शहर की अर्थव्यवस्था और समुदाय के लिए लाभ प्रदान कर सकता है, जिससे आज की वैश्वीकृत दुनिया में इसकी प्रतिष्ठा और प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ सकती है।

प्राथमिक उद्देश्य इस परियोजना के माध्यम से मेलों में विज्ञापन और प्रचार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

मेला क्षेत्र

15 हेक्टेयर

ब्रांडिंग आवश्यकता के अनुसार

City Branding, Lucknow

City Branding, Agra

कामकाजी महिला छात्रावास

Working Women Hostel

देश के सामाजिक-आर्थिक ढांचे में प्रगतिशील बदलाव के साथ अधिक से अधिक महिलाएं शहरों में रोजगार की तलाश में अपना घर छोड़ रही हैं। ऐसी महिलाओं के सामने आने वाली मुख्य कठिनाइयों में से एक सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान पर आवास की कमी है। भारत सरकार ने ऐसी कामकाजी महिलाओं के सामने आने वाली कठिनाइयों के बारे में चिंतित होकर, 1972-73 में शहरों में कामकाजी महिलाओं को छात्रावास की सुविधा प्रदान करने के लिए नए निर्माण/मौजूदा भवनों के विस्तार के लिए अनुदान सहायता की एक योजना शुरू की थी। मूल्यांकन के आधार पर, मौजूदा योजना को कामकाजी महिला छात्रावास योजना के रूप में संशोधित किया गया है ताकि कामकाजी महिलाओं के लिए सुरक्षित और सुविधाजनक आवास की उपलब्धता को बढ़ावा दिया जा सके, जिन्हें पेशेवर प्रतिबद्धताओं के कारण अपने परिवारों से दूर रहना पड़ता है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

1000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- अधिभोग शुल्क/बिस्तर शुल्क
2- खाद्य सेवा शुल्क
3- विज्ञापन शुल्क
4- पुस्तकालय और संबद्ध सेवाओं के लिए सदस्यता शुल्क

Reference Image sourced from Internet

फूड स्ट्रीट हब

Food Street Hub/ Night/ Weekly Market

"फूड स्ट्रीट हब" एक शहर के भीतर एक जीवंत क्षेत्र को संदर्भित करता है जो खाद्य प्रतिष्ठानों के विविध चयन के लिए जाना जाता है। यह एक ऐसा केंद्र है जहां विभिन्न भोजनालय और फूड स्टॉल एक साथ एकत्रित होते हैं, जो विभिन्न प्रकार के व्यंजनों की पेशकश करते हैं और एक ऊर्जावान माहौल बनाते हैं। फूड स्ट्रीट हब स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए लोकप्रिय स्थान हैं। जो विविध और स्वादिष्ट भोजन का अनुभव करता है। फूड स्ट्रीट हब एक शहर की संस्कृति को प्रदर्शित करने में भी योगदान करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

2000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- स्थान आवंटन शुल्क
2- पार्किंग शुल्क
3- विज्ञापन शुल्क

Food Street, Varanasi

शहरी कियॉस्क
Urban Kiosk

"शहरी कियॉस्क" एक छोटी, स्वतंत्र संरचना या बूथ को संदर्भित करता है जो आमतौर पर शहरी क्षेत्रों में पाया जाता है जो विभिन्न उद्देश्यों को पूरा करता है। यह कियोस्क जनता को सुविधाजनक सेवाएँ, सूचना या उत्पाद प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। शहरी कियोस्क आवश्यकतानुसार विभिन्न रूपों में बनाये जा सकते हैं और स्थानीय व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों या स्वतंत्र विक्रेताओं द्वारा संचालित किए जा सकते हैं। शहरी कियोस्क को रणनीतिक रूप से सघन यातायात क्षेत्रों जैसे शहर के केंद्रों, परिवहन केंद्रों या जनप्रिये पैदल यात्री क्षेत्रों में रखा जाना चाहिए।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- कियॉस्क से किराया
2- विज्ञापन शुल्क

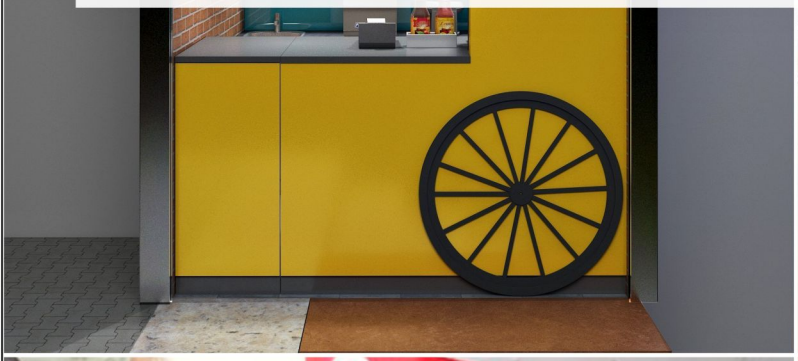

Reference Image sourced from Internet

PPP

मैकेनाइज्ड पार्किंग और स्मार्ट पार्किंग

Mechanized Parking & Other Smart Parkings

मैकेनाइज्ड पार्किंग और स्मार्ट पार्किंग अभिनव प्रयास हैं जो पार्किंग दक्षता को अनुकूलित करने, भीड़भाड़ को कम करने और शहरी क्षेत्रों में उपयोगी अनुभव को बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। मैकेनाइज्ड पार्किंग से तात्पर्य पार्किंग बुनियादी ढांचे की एक प्रणाली से है जो उपलब्ध पार्किंग स्थान के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए यांत्रिक उपकरणों, स्वचालन और रोबोटिक्स का उपयोग करता है। स्मार्ट पार्किंग सिस्टम पार्किंग प्रबंधन को अनुकूलित करने, उपयोगकर्ता अनुभव में सुधार और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी, डेटा एनालिटिक्स और कनेक्टिविटी को उपयोग में लाते हैं। इसका उद्देश्य पार्किंग की उपलब्धता और पहुंच में सुधार करना है और पार्किंग के लिए चक्कर लगाने से होने वाली यातायात की भीड़ और उत्सर्जन को कम करना है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

न्यूनतम

1000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- सौंदर्यीकरण शुल्क

2- विज्ञापन शुल्क

Mechanized Parking, Bareilly

पुस्तकालय/ डिजिटल पुस्तकालय

Library/ Digital Library

पुस्तकालय एक ऐसा स्थान है जहाँ पुस्तकें, पत्रिकाएँ और अन्य पठनीय सामग्री जनता के उपयोग के लिए उपलब्ध करायी जाती है। यह सीखने, अनुसंधान और सूचना पुनर्प्राप्ति के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करता है। दूसरी ओर, एक डिजिटल लाइब्रेरी डिजिटल संसाधनों का एक संग्रह है, जिसमें किताबें, लेख, चित्र, वीडियो और अन्य मल्टीमीडिया सामग्री शामिल हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और इंटरनेट के माध्यम से पहुंच योग्य है।

डिजिटल लाइब्रेरी उपयोगकर्ताओं को कहीं से भी, किसी भी समय जानकारी तक पहुंचने की सुविधा प्रदान करती है, तथा नवीनतम खोज की जानकारी उपलब्ध करती है। पारंपरिक और डिजिटल दोनों पुस्तकालय ज्ञान को संरक्षित करने, शिक्षा को बढ़ावा देने और सूचना विनिमय को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

2000 वर्गमीटर

संभावित राजस्व स्रोत

1- सदस्यता शुल्क
2- विज्ञापन शुल्क
3- पार्किंग शुल्क

Library/Digital Library at Directorate of Urban Local Bodies, Lucknow

PPP

बहुउद्देश्यीय खेल सुविधा

Multipurpose Sports Facilty

किसी भी शहर के सतत विकास में खेल और मनोरंजक गतिविधियों का प्रावधान शामिल है। नगरीय निकाय के उत्थान में बहुउद्देश्यीय खेल सुविधा मनोरंजन, आराम आदि की आवश्यकता को पूरा करने में प्रमुख भूमिका निभाते हैं। बहुउद्देश्यीय खेल और सामुदायिक सुविधा को उपयोगकर्ताओं, स्थानीय हितधारकों और निवासियों के एक समर्पित समूह के सहयोग के आधार पर एक प्रक्रिया के माध्यम से विकसित किया जाना चाहिए जिससे की यह स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा कर सके।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

अधिकतम

8 हेक्टेयर

संभावित राजस्व स्रोत

1- सदस्यता शुल्क
2- इवेंट होस्टिंग शुल्क
3- विज्ञापन शुल्क
4- प्रशिक्षण शिविर से शुल्क

The Sportz Hub, Kanpur

PPP

अर्बन ओपन जिम

Urban Open Gym

पड़ोस के पार्क या खुले स्थान सभी आयु समूहों के लोगों को आकर्षित करते है। इन पार्कों में नई गतिविधियाँ शुरू करके कायाकल्प किया जा सकता है।

सभी खुले स्थानों और पार्कों में शुरू की जा सकने वाली प्रमुख गतिविधियों में से एक ओपन एयर जिम है। इस प्रकार के विकास में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों का रखरखाव और उपयोग आसान होता है एवं सभी आयु समूहों द्वारा इसका उपयोग किया जा सकता है।

अर्बन ओपन जिम/आउटडोर फिटनेस पार्क लोगों के लिए प्राकृतिक, सभी आयु वर्ग के लोगों के लिये बैठक केंद्र बनकर समाज के सभी वर्गों के विकास में महत्पूर्ण भूमिका निभाते हैं। वैज्ञानिक शोध से पता चलता है कि व्यायाम से स्वास्थ्य पर अनुकूल प्रभाव पड़ता है। हर दिन यहाँ उपलब्ध उपकरणों का उपयोग करने वाले बच्चों और किशोरों में, ध्यान केंद्रित करने और सीखने की क्षमता में काफी वृद्धि हो सकती है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- सदस्यता शुल्क
2- प्रशिक्षण शिविर से शुल्क

Open Gym, Kanpur

PPP CSR

डायग्नोस्टिक केंद्र

Diagnostic Center

डायग्नोस्टिक केंद्रों को शहरी बुनियादी ढांचा के अन्तर्गत शामिल करना एक महत्वपूर्ण कदम है। यह स्वास्थ्य देखभाल की पहुंच के साथ साथ, आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है। सामाजिक समानता का समर्थन करता है और शहरी निवासियों के लिए जीवन की समग्र गुणवत्ता में सुधार करता है। यह सुनिश्चित करके कि डायग्नोस्टिक सेवाएं शहरी विकास का एक मूलभूत हिस्सा हैं, स्थानीय निकाय अपने क्षेत्र के निवासियों के लिए स्वास्थ सेवाएं उलब्ध करा के शहर को और जीवंत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- मेडिकल जांच शुल्क
2- पार्किंग शुल्क

Smart Health Center, Agra

फुट ओवर ब्रिज (एफओबी)

Foot Over Bridge

फुट ओवर ब्रिज (एफओबी), जिसे पैदल यात्री ओवरपास या पैदल यात्री पुल के रूप में भी जाना जाता है। यह एक ऐसी संरचना है जो पैदल यात्रियों को व्यस्त सड़कों, रेलवे या अन्य बाधाओं को सुरक्षित और कुशलता से पार करने में सक्षम बनाने के लिए बनाई जाती है। फुट ओवर ब्रिज पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित, सुलभ और सुविधाजनक क्रॉसिंग पॉइंट प्रदान करके शहरी परिवहन बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे शहरों और शहरी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा, गतिशीलता और जीवन की गुणवत्ता में सुधार होता है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- विज्ञापन शुल्क

Reference Image sourced from Internet

शेहरी प्लाजा

Urban Plaza

शहरी प्लाजा एक सार्वजनिक रूप से सुलभ खुला स्थान है जो किसी शहर या शहरी क्षेत्र में लोगों के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों के केंद्र के रूप में कार्य करता है। शहरी प्लाज़ा आकार और उपयोग की एक विस्तृत श्रृंखला में आते हैं, लेकिन उनमें आमतौर पर बेंच, पैदल यात्रियों के लिए पैदल मार्ग, वनस्पति, सार्वजनिक कला प्रदर्शन एवं फव्वारे जैसी सुविधाएं होती हैं।

स्थानीय लोगों और मेहमानों को आराम करने, मिलने-जुलने और बाहरी गतिविधियों में शामिल होने के लिए स्थान देकर शहरों में जीवन स्तर में सुधार करने के लिए शहरी प्लाजा बनाए जाते हैं। यह प्रायः सामुदायिक बैठकों, त्योहारों, बाजारों और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए उपयुक्त स्थान के रूप में कार्य करते हैं।

विचारशील डिजाइन वाले शहरी प्लाजा अपने नागरिकों के बीच अपनेपन और समुदाय की भावना को प्रोत्साहित करके शहर की शक्ति और जीवन शक्ति को बढ़ा सकते हैं। यह शहरों की योजना और डिज़ाइन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं, जिससे वे अधिक रहने योग्य बन जाते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- सौंदर्यीकरण शुल्क
2- विज्ञापन शुल्क
3- वेंडिंग जोन शुल्क/दुकान का किराया/अंतरिक्ष किराया
4- पार्किंग शुल्क

Reference Image sourced from Internet

हेरिटेज स्ट्रीट और भवन संरक्षण

Heritage Street & Building Conservation

वेनिस चार्टर 1964 विरासत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालता है और हमारी विरासत को संरक्षित करने की आवश्यकता और मूल्यों पर जोर देता है। ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण सड़कों के दृश्यों, इमारतों, संरचनाओं और सांस्कृतिक परिदृश्यों को संरक्षित करने की प्रथा को हेरिटेज स्ट्रीट और भवन संरक्षण के रूप में जाना जाता है। किसी समुदाय के भीतर या पूरे समाज में निर्मित पर्यावरण के वास्तुशिल्प, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक रूप से महत्वपूर्ण तत्वों की रक्षा करना इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य है। विरासत सड़क और भवन संरक्षण सांस्कृतिक पहचान बनाए रखने, नागरिक गौरव को बढ़ावा देने और अतीत के ठोस संबंधों को संरक्षित करके समुदायों में जीवन की गुणवत्ता को समृद्ध करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Hazratganj, Lucknow

घाट संरक्षण

Ghaat Conservation

नदियों के किनारे स्थित नगर निकायों या जिन नगर निकायों के क्षेत्र में महत्वपूर्ण सरोवर हैं उनमे घाट संरक्षण एक अनिवार्य घटक है। घाट जो की नदी या सरोवर के किनारे पर बनायीं जाने वाली सीढ़ियों की श्रृंखला होती है।

घाट संरक्षण एक बहुआयामी पहल है जो शहरी बुनियादी ढांचा योजनाओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है। यह सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करता है, पर्यावरणीय स्थिरता का समर्थन करता है। इसके अतरिक्त, यह सामाजिक और मनोरंजक लाभ प्रदान करता है, स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं को बढ़ावा देता है। शहरी क्षेत्रों के समग्र रहने योग्य और सौंदर्य बोध को बढ़ाता है। घाट संरक्षण को प्राथमिकता देकर, शहरी स्थानीय निकाय आकर्षक और सांस्कृतिक रूप से अधिक जीवंत शहर बना सकते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- विज्ञापन शुल्क

Namo Ghaat, Varanasi

स्मृति/थीम पार्क

Smriti/ Theme Park

लैंडस्केप और पार्क सतत विकास का एक अभिन्न अंग हैं क्योंकि यह प्राकृतिक परिवेश में मनुष्य की तकनीक को मिश्रित करता है। यह पर्यावरण के संरक्षण, सुधार एवं संवर्द्धन में सक्रिय भूमिका निभाता है। जैसे-जैसे शहर निर्बाध रूप से बढ़ रहे हैं, उसी अनुपात में पर्यावरणीय समस्याएं भी बढ़ रही है।

उत्तर प्रदेश में कई विविध प्रकार के खुले क्षेत्र हैं जिनका उपयोग भूदृश्य निर्माण के लिए किया जा सकता है। किसी स्मृति अथवा थीम पर डिजाइन करने के लिए शानदार बगीचों से लेकर विशाल पार्कों तक ऐसे कई विकल्प हैं जो राज्य की प्राकृतिक सुंदरता को बढ़ावा देने के साथ साथ एक विशेष प्रकार का सन्देश भी प्रदर्शित कर सकते हैं। पड़ोस के पार्क, शहर के बगीचे, या सार्वजनिक उपयोग के लिए सार्वजनिक भूमि में उपलब्ध खुले स्थानों का भी सौंदर्यीकरण इस योजना के अंतर्गत किया जा सकता है। आम तौर पर, उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में खुले स्थान हैं जो भूदृश्य निर्माण और सुंदर बाहरी स्थानों के निर्माण के लिए काफी संभावनाएं प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य विषयगत उद्यानों और पार्कों को डिजाइन करना है जो स्थिरता को बढ़ावा देने और साइट की प्राकृतिक विशेषताओं का सम्मान करते हुए आगंतुकों के लिए एक आकर्षक, शैक्षिक और समावेशी वातावरण प्रदान करते हैं।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

न्यूनतम

1 हेक्टेयर

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

UP Darshan Park, Lucknow

अर्बन आर्द्रभूमि

Urban Wet Land

आर्द्रभूमि (wetland) वे क्षेत्र हैं जहां भूमि स्थायी या मौसमी रूप से संतृप्त होती है या पानी से भर जाती है। आर्द्रभूमि और निर्मित आर्द्रभूमि प्राकृतिक या इंजीनियर्ड पारिस्थितिकी तंत्र हैं जो शहरी क्षेत्रों के लिए कई लाभ प्रदान करते हैं। इससे होने वालों लाभों में पानी को फ़िल्टर करना, जल विज्ञान (जल प्रवाह पैटर्न) को सुधार करके बाढ़ को नियंत्रित करना, वन्यजीवों के लिए आवास प्रदान करना एवं मनोरंजन के अवसर प्रदान करना भी शामिल है। इसके अतिरिक्त, यह पक्षी देखने, मछली पकड़ने, लंबी पैदल यात्रा और प्रकृति की सराहना के अन्य रूपों के लिए क्षेत्र प्रदान करके मनोरंजक अवसरों को बढ़ाता है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Ekana Wetland, Lucknow

शहरी आर्बोरिकल्चर, शहरी नर्सरी, और शहरी बागवानी

Urban Arborical/ Nursery/ Horticulture

"शहरी आर्बोरिकल्चर," "शहरी नर्सरी," और "शहरी बागवानी" संबंधित शब्द हैं जो शहरी वातावरण के भीतर पेड़ों, पौधों और हरियाली से जुड़ी प्रथाओं और गतिविधियों को संदर्भित करते हैं। प्रत्येक परियोजना शहरी सेटिंग में हरित स्थानों की खेती, प्रबंधन और प्रचार के विशिष्ट पहलुओं पर केंद्रित है। इस परियोजना के माध्यम से नगरीय नागरिकों के लिए एक समुचित व्यवस्था को बनाना है जिससे वह एक साफ़ सुथरे वातावरण का अनुभव करने के साथ साथ पेड़ पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त करके उसे उपयोग में ला सके।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Reference Image sourced from Internet

निराश्रित घर/ रात्रि आश्रय

Destitute Homes/Night Shelters

निराश्रित घर/रात्रि आश्रय का प्राथमिक उद्देश्य बेघर व्यक्तियों को रात में सोने के लिए सुरक्षित, स्वच्छ और सुरक्षित स्थान प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, आश्रय का उद्देश्य भोजन, स्वच्छता सुविधाएँ और सामाजिक सेवाओं तक पहुँच जैसी बुनियादी सेवाएँ प्रदान करना है जो मेहमानों को अधिक स्थिर रहने की स्थिति की ओर बढ़ने में मदद कर सकती हैं। रात्रि आश्रय की स्थापना तत्काल राहत प्रदान कर सकती है और दीर्घकालिक सहायता और पुनर्वास के लिए आधार प्रदान कर सकती है।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Reference Image sourced from Internet

योगशाला

Yogashala

योग एक समग्र अभ्यास है जो शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देता है। यह तनाव को कम करने, शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार करने और जीवन की समग्र गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए सिद्ध हुआ है। योगशाला (योग केंद्र) की स्थापना का उद्देश्य व्यक्तियों को योग, ध्यान और संबंधित कल्याण गतिविधियों का अभ्यास करने के लिए एक समर्पित स्थान प्रदान करना है। यह पहल सभी उम्र और पृष्ठभूमि के लोगों के लिए योग को सुलभ बनाकर एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देगी।

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Reference Image sourced from Internet

नगरीय वानिकी

City Forest

शहरी वानिकी शहरी परिवेश के भीतर पेड़ों और जंगलों के प्रबंधन की प्रक्रिया है। यह शहरों और कस्बों में पेड़ लगाने, उनकी देखभाल करने और उनकी सुरक्षा करने पर केंद्रित है। इस परियोजना का उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के पर्यावरण में सकारात्मक बदलाव लाना और उनके निवासियों के जीवन स्तर में वृद्धि करना है। शहरी वानिकी परियोजनाओं में एक शहर के भीतर वृक्ष छत्रछाया की स्थापना, रखरखाव और विस्तार करने के उद्देश्य से कई तरह की पहल शामिल हैं। कुछ परियोजना प्रकार जिन पर शहरी वानिकी के अंतर्गत विचार किया जा सकता है वे हैं:

- पण परियोजनाएँ
- वृक्ष देखभाल और रखरखाव परियोजनाएँ
- शहरी वानिकी मास्टर प्लान विकास
- शहरी वानिकी प्रोत्साहन कार्यक्रम
- शहरी वानिकी अनुसंधान और प्रदर्शन परियोजनाएँ
- इको थीम जैव विविधता परियोजना

सुझावात्मक आवश्यक क्षेत्रफल

आवश्यकता के अनुसार

संभावित राजस्व स्रोत

1- प्रवेश शुल्क
2- कैफेटेरिया से किराया
3- विज्ञापन शुल्क
4- पार्किंग शुल्क
5- स्टालों से किराया

Miyawaki, Prayagraj

उत्तर प्रदेश सरकार